

S.A. :- II - 2019

पत्रांक :- 8

कुल गुण :- 40

Date:-

विषय :- हिन्दी

विभाग :- A

अपाठ
12/4/19

1	A - दरगाह	21	B - ^{99.} दुर्गा
2	C - रास्ता	22	C - दरगाह
3	A - अमृत	23	B - सुमान को
4	C - अविश्वास	24	A - सुख
5	B - शैरनी	25	C - भराडुआ
6	C - दासी	26	A - लफान
7	B - भांकाई	27	C - भंदिम
8	A - लिथियाँ	28	C - लवू
9	C - सभर्षण	29	B - छेता
10	A - रेगिस्तान	30	A - भांडवी में
11	A - मोहित होना	31	B - प्यार
12	C - क्लिप्त होना	32	A - काशी विद्यापीठ में
13	B - मनोहर	33	C - शिवभंगकसिंह 'सुमन'
14	C - पतवार	34	B - डाक
15	A - मुख + रूक = मुखरूक	35	A - यंचक
16	C - निर + दौष = निर्दोष	36	C - दो
17	B - प्रतिदिन	37	B - हुवाईसेना
18	A - शूतकान्त	38	C - भस्जद
19	B - द्यावान	39	A - कानकवहादुर शास्त्री
20	A - लुभ	40	A - पद्यताने की

प्रश्न-1 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर तीन-चार वाक्यों में दीजिए।
(गद्य) (किन्ही चार) (8)

(1) शास्त्रीजी के संसदीय जीवन की शुरुआत कैसे हुई ?

→ शास्त्री जी में कार्य के प्रति गहरी निष्ठा थी। वे महानत करने की अद्भुत क्षमता भी रखते थे। अपने इन्हीं गुणों के कारण सन् 1937 में वे संयुक्त प्रांत की व्यवस्थापिका सभा के लिए निर्वाचित हुए। स्वतंत्रता-प्राप्ति के बाद कई बार वे संसद के लिए चुने गए। परंतु उनके संसदीय जीवन की वास्तविक शुरुआत सन् 1937 के निर्वाचन से ही हुई।

(2) बाबा भारती अपना समय कैसे बिताते थे ?

→ बाबा भारती गाँव के बाहर एक छोटे-से मंदिर में रहते थे और भगवान का भजन करते थे। उन्होंने एक छोड़ा पाक रखा था जिसे वे 'सुकतान' कहकर पुकारते थे। भगवान के भजन से जो समय बचता, उसे वे छोड़ की से में लगाते थे। वे अपने हाथ से उसका खरहरा करते और उसे दाना खिलाते थे। संध्या समय वे सुकतान पर सवार होकर आठ-दस मीठे का चक्कर काटते थे। इस प्रकार बाबा भारती अपना समय बिताते थे।

(3) दुकानदार से ग्राहक ने ताक के बारे में क्या कहा ?

→ दुकानदार से ग्राहक ने ताक के बारे में कहा, आपके पास खर ताक तो होना चाहिए। दुकानदार ने कहा, हाँ हैं ? ग्राहक ने कहा - जी नहीं, उसे अपनी दुकान पर लगाएँ और घर जाकर आराम कीजिए।

(4) कच्छ के रेगिस्तान की विशेषता बताइए।

→ कच्छ में रेगिस्तान के दो स्वरूप देखने को मिलते हैं। एक छोटा रेगिस्तान, दूसरा बड़ा रेगिस्तान। इन दोनों में रेगिस्तान का कोई कसबा दिखाई नहीं देता। रेत कहीं भी गजर नहीं आती। इसलिए यह अनुष्ठा रेगिस्तान है।

(5) स्वर्गासुर ने सुकताग को कैसे प्राप्त किया ?

→ एक दिन संध्या समय बाबा भारती सुकताग पर सवार होकर घूमने निकले। रास्ते में उन्होंने एक अघोरिण की करुणाभरी आवाज सुनी। उसने बाबा से छोड़े पर शमावाला गाय चढ़वाने की प्रार्थना की। बाबा ने तबस खाकर उस अघोरिण को छोड़े पर बिठा लिया और स्वयं लगान पकड़कर चलने लगे। उसी उस अघोरिण ने सटका देकर बाबा भारती के हाथ से लगान छीन ली और वह छोड़े को ले आया। वह अघोरिण और कौर नहीं, डाकू स्वर्गासुर ही था। इस प्रकार स्वर्गासुर ने सुकताग को प्राप्त किया।

प्रश्न-२ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर तीन-चार वाक्य में दीजिए।
(पद्य) (किन्ही चार) (४)

(1) लोगो ने भगवान को किस प्रकार वाँट लिया है ?

→ कुछ लोगो के भगवान मंदिर में तो कुछ लोगो के भगवान मस्जिद में रहते हैं। कुछ लोगो ने उसके भगवान के लिए तिरपादार बनाए हैं। एक ही भगवान को लोगो ने अलग-अलग ढंग से देखा है। वे उनकी अलग-अलग तरीके से पूजा करते हैं। इस तरह लोगो ने भगवान को वाँट लिया है।

(2) बिना सोचे कार्य करने से क्या होता है ?

→ सोच-समझकर कार्य करना ही बुद्धिमान है। बिना सोचे-समझे कार्य करने से कार्य बिगड़ जाता है। कार्य बिगड़ने से पछतावा होता है। ज्ञान ही नहीं दुनिया में इसी होती है। लोग तरह-तरह के ताने मारकर भ्रष्टाचार उड़ाते हैं। इस तरह बिना सोचे-समझे कार्य करनेवाले को उसका बुरा परिणाम भोगना पड़ता है।

(3) मौसी का हाथ कब तक नहीं रुकता है ?

→ समुद्र अगर शक्तिशाली है तो मिट्टी का पुकता मौसी भी कम नहीं है। उसमें अद्भुत साहस और अकूत शक्ति है। इसलिए वह कभी थका नहीं है। जब तक उसके शरीर में प्राण है, जब तक उसकी साँसों में चोगा है, तब तक मौसी का हाथ रुकने का नाम नहीं लेता। वह संघर्ष करना नहीं छोड़ता। इस प्रकार मौसी अपने अंतिम साँस तक कार्य करती है।

(4) कार्क रंग का फूल कब खिलता है ?

→ लोग तैज धूप और बरसात से बचने के लिए सिर पर धागा खोलेते हैं। धागा कार्क रंग का होता है। इस प्रकार तैज धूप और बरसात में कार्क रंग का फूल खिलता है।

(5) शहीम बड़े लोगों की क्या विशेषता बताते हैं ?

→ शहीम कहते हैं कि बड़े लोग कभी अपने मुख से अपनी बड़ाई नहीं करते। वे कभी बड़े लोक नहीं बोलते। बड़ी-बड़ी बातें कर अपना बड़प्पन दिखाना उनके स्वभाव में नहीं होता। जैसे हीरा कीमती रत्न होता है, पर स्वयं अपनी कीमत नहीं बताता, उसी तरह बड़े लोग खुद कभी अपनी प्रशंसा नहीं करते।

प्रश्न-3 (अ) निम्नलिखित परिच्छेद का भावभाषा में अनुवाद कीजिए।

(4)

नलिया से एक घण्टे
----- बड़ा आकर्षण है।

→ नलियाचा खेड उलाडनी प्रवास करी 'नारायण सरीवर' पडोसाय छे. ते सत्यंत प्राचीन, पौराणीक, धार्मिक स्थल छे. का स्थल शंभायणडापणुं गणाय छे. त्यां डीश्वर नामनुं दर्शनीय मंदिर छे, ज्यांचो शायण पसार चयौ हतो. ते समग्र लारतनुं प्राचीन स्थल गणाय छे. सूर्योदय राने सूर्यास्तां दर्शननुं शही भोंडुं आकर्षण छे.

(ब) निम्नलिखित परिच्छेद को पठकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(4)

(1) शक्ति के अंधकार में स्वडगसिंह कहां पहुँचा ?

→ शक्ति के अंधकार में स्वडगसिंह लावा जाशती के मंदिर में पहुँचा।

(2) शक्ति का वातावरण कैसा था ?
 → चारों ओर सन्नाटा था। आकाश में तारे टिमटिमा रहे थे।

(3) स्वड़गसिंह ने क्या पकड़ा हुआ था ?
 → स्वड़गसिंह सुकतान की बाग पकड़ें हुए था।

(4) बाबा भारती क्या लेकर पहुंचे थे ?
 → बाबा भारती स्वयं तामी लेकर पहुंचे थे।

(क) सपनेसा के आधार पर कहानी लिखफार उचित शीर्षक दीजिए। (4)

→ कहानी का शीर्षक - धमंडी और सीख - हमें सब के साथ मिलजुलकर रहना चाहिए।

विषयवस्तु :- 25

भाषाशुद्धि :- 05

वर्तनीशुद्धि शब्द :- 05

शीर्षक :- 05

प्रश्न-4 (अ) निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए। (7)

(1) लोक जलदुर शास्त्री (2) मेरी यात्रा

लपकाल
गुण

विषयवस्तु :- 4

भाषा शुद्धि :- 1

7
गुण

वार्ता शुद्धि शब्द :- 1

(ब) प्रवास का वर्णन करते हुए अपने मित्र को पत्र लिखिए। (5)

लपकाल
गुण

विषयवस्तु :- 2

पत्र :- 1

संक्षेप :- 0.5

लिखित :- 0.5

5
गुण

वार्ता शुद्धि शब्द :- 0.5

उत्तर

(ब) वार्षिक परीक्षा के एक दिन पूर्व के अनुभव को डायरी के रूप में लिखिए।

लपकाल
गुण

विषयवस्तु :- 2

भाषा शुद्धि :- 1

वार्ता शुद्धि शब्द :- 1

5
गुण

प्राश्निक :- भाषी नविनलार्थ यु.

डी.सी. उच्च प्रा. विभाग,
आलंद.

मो :- 9876543210